



# हिंदी

## पाठभाला

1

लेखिका  
निदा फ़ातिमा

संपादन सहयोग  
संपादक मंडल एसविज़न

परामर्शकर्ता  
रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी 'प्रलयंकर'  
एम.ए (हिंदी-अँगरेज़ी) बी.एड., विशारद,  
आयुर्वेदरत्न, शोध छात्र (पी-एच.डी.), यू.जी.सी.,नेट  
राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समादृत, पुरस्कृत, मंचीय कवि  
प्रधानाचार्य

 **acevision**  
Publisher Pvt. Ltd.  
One company. One vision





© सभी अधिकार सुरक्षित

इस पुस्तक के किसी भी भाग का, किसी भी रूप में मुद्रण, प्रकाशन, संग्रहण अथवा प्रसारण, प्रकाशक/लेखक की लिखित अनुमति के बिना अधिगृहीत करना वर्जित है।

प्रथम संस्करण 2016

पूर्णतः संशोधित संस्करण - 2020

लेखिका

**निदा फ़ातिमा**

परामर्शकर्ता

**रामेश्वर प्रसाद द्विवेदी 'प्रलयंकर'**

एम.ए. (हिंदी-अँगरेज़ी) बी.एड., विशारद,  
आयुर्वेदरत्न, शोध छात्र (पी-एच.डी.), यू.जी.सी.,नेट  
राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समादृत, पुरस्कृत, मंचीय कवि  
प्रधानाचार्य

संपादन सहयोग

**संपादक मंडल एसविज्ञान**

चित्रांकन:

**एसविज्ञान यूनिट**

साज-सज्जा

**विजुअल वैली मीडिया कम्यूनिक्शन, लखनऊ**

मुद्रक:

**रेप्रो इंडिया लिमिटेड, सुरत**

आभार

इस पुस्तक शृंखला में संकलित अधिकतर रचनाओं की अनुमति प्रकाशक के पास है। कुछ रचनाओं के लेखकों/प्रकाशनाधिकार धारकों से कुछ कारणवश संपर्क स्थापित नहीं हो पाया है। उनसे निवेदन है कि वे इस विषय में प्रकाशक से संपर्क करें।

 **acevision**  
Publisher Pvt. Ltd.  
One company. One vision

एम.एम.- 317, सेक्टर - डी,  
अलीगंज, लखनऊ - 226 024 (उ.प्र.), भारत  
फ़ोन: +91 522-4016247, 4076008  
ई-मेल: acevision.edu@gmail.com  
वेबसाइट : www.acevisionpublisher.com

**शाखाएँ:**

● **गाज़ियाबाद**

एस - 123, हर्षा कम्पाउंड,  
साइट - 2, डण्डिस्ट्रियल एरिया,  
लोनी रोड, मोहन नगर,  
गाज़ियाबाद-201 007 (उ.प्र.)  
फ़ोन: +91 120-2657225

● **कोलकाता**

16-जी, केनल स्ट्रीट,  
पो० ओ० इन्टाली (निकट महावीर इंस्टीट्यूट स्कूल)  
कोलकाता - 700 014  
(पश्चिम बंगाल)



## दो शब्द



**बिज़ी बीज़ हिंदी पाठमाला** का संस्करण आपको सौंपते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है। इस शृंखला को बालमन तथा नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। बच्चों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भाषा के चारों कौशल- **श्रवण**, **भाषण**, **पठन** तथा **लेखन** की नींव पर ही जीवन तथा जगत् संबंधी विविध ज्ञान-विज्ञान का भवन खड़ा किया जा सकता है।

नवनिर्मित राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार पाठ्यपुस्तक बालकेंद्रित होनी चाहिए। साथ ही बदलती जीवन शैली, जीवनमूल्य तथा बहुआयामी व्यक्तित्व के विकास हेतु पाठ्य सामग्री को पारंपरिक लीक से हटकर नवीन रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। इसी दृष्टि से प्रस्तुत पुस्तक शृंखला में बच्चों के भाषा-ज्ञान, भाषा प्रयोग तथा भाषिक व्यवहार से संबंधित विविध दक्षताओं के समुचित विकास का प्रयोग किया गया है।

इस पुस्तक शृंखला के अंतर्गत भाषा की सभी योग्यताओं- **सुनना (listening)**, **बोलना (speaking)**, **पढ़ना (reading)**, **लिखना (writing)** और **सोचना-समझना (HOTS)** के साथ-साथ (**Multiple Intelligence**) का समावेश किया गया है। बच्चों की रुचियों, क्षमताओं और भाषा स्तर को ध्यान में रखते हुए सरल से कठिन पाठों की रचना; विविध विधाओं में प्रस्तुत विषयवस्तु और अतिरिक्त पठन सामग्री का संकलन किया गया है। साथ ही साथ भारत के प्रतिष्ठित लेखकों और विदेशी कथाकारों की प्रसिद्ध कृतियों का समावेश भी किया गया है। हर पाठ्यपुस्तक के साथ **full class participation** के लिए **सी डी (CD)** तथा **सहायक दर्शिकाएँ** भी उपलब्ध हैं।

भाषा-ज्ञान में पूर्वज्ञान को दोहराना और व्याकरण के नियमों का प्रायोगिक रूप में प्रस्तुतीकरण कर, पाठों और गतिविधियों द्वारा जीवन-मूल्यों का विकास बड़े ही सरल ढंग से किया गया है।

पाठ्यपुस्तक में पाठों का चयन करते समय यह ध्यान रखा गया है कि साहित्य की प्रमुख विधाएँ पठन से छूट न जाएँ। अतः **कविता**, **कहानी**, **निबंध**, **लेख**, **पत्र**, **संवाद**, **जीवनी**, **संस्मरण**, **एकांकी**, **चित्रकथा** तथा **लोककथा** आदि सभी को स्थान दिया गया है। इनमें ज्ञान-विज्ञान, संस्कृति, इतिहास, प्रेरक-प्रसंग, पर्यावरण तथा विदेशी साहित्य का समावेश है।

हम विशेष रूप से उन लेखकों और रचनाकारों के हार्दिक आभारी हैं, जिनकी रचनाएँ इस पुस्तक शृंखला में सम्मिलित की गई हैं।

हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि भाषा शिक्षण और अधिगम में यह पाठ्यपुस्तक सहायक सिद्ध होगी। यदि कहीं कोई त्रुटि अथवा अभाव दिखाई पड़े तो उनसे अवगत कराने की कृपा करें। हमें आपके अमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी। आप अपने सुझावों को हमें ई-मेल भी कर सकते हैं- [busybees\\_nida@hotmail.com](mailto:busybees_nida@hotmail.com)

-प्रकाशक



## Term-I

• मैं भी...- चित्रकथा	06
• बंदर और गिलहरी- चित्रकथा	08
आओ मिलकर वर्ण दोहराएँ	10
पहचानो-स्वर और उसकी मात्रा	
अ और उसके शब्दों की पहचान	11
• नटखट अमन	13
पहचानो आ और ा	15
• बलवान राजा	17
पहचानो इ और ि	19
• रिमझिम बारिश	21
पहचानो ई और ी	24
• मीना	26
• गबरू शेर ने खाया केला- चित्रकथा	28
पहचानो उ और ु	30
• तनु की गुड़िया	32
पहचानो ऊ और ू	34
• बूढ़ा काका	36
पहचानो ऋ और ॠ	38
• कृषक	39
पहचानो ॠ और ॡ	40
• रुचि रूठ गई	41

## Suggestive Syllabus for III Terms

Term-I Lesson 6 - 37

Term-II Lesson 38 - 69

Term-III Lesson 70 - 88

# क्रम estive Syllabus

## Term-II

पहचानो ए और े	44
• चिड़ियाघर	46
पहचानो ऐ और ै	48
• नैनीताल की सैर	50
पहचानो ओ और ो	52
• मोटूराम-छोटूराम	54
पहचानो औ और ौ	56
• मौसी आई	58
पहचानो अं और ं	60
• चिटू और पिंकी	62
पहचानो अ: और :	64
• अच्छा लड़का	65
पहचानो अँ और ँ	67
• मूँगा की माँ	68
कुछ और वर्ण-क्ष,त्र,ज्ञ,श्र और ज़, ऋ	69
कोशिश करो- अब मात्राओं के साथ पढ़ो	
• मुरगी के दो चूड़े	70
• हामिद चला चाँद पर	73
• दौड़ी-दौड़ी आई पकौड़ी- कविता	76
• गायक गधा	77
• बस के नीचे बाघ	80
• रसोईघर- कविता	83
जान सको तो जानो-आओ मुझे पहचानो!	85
शहद का कटोरा- चित्र-पठन	
जंगल में मंगल	86-88

## में भी... - चित्रकथा



आगे क्या हुआ होगा?



 कुछ संकेत

बच्चों को दिए गए चित्रों को ध्यान से देखने को कहें। उनसे पूछें-अंडों में से कौन-कौन बाहर आया? कौन, किसकी नकल उतार रहा था? कौन डूब रहा था? किसने, किसकी मदद की?



## शहद घर

नाम बताओ-

तुमने देखा चूड़ा बार-बार बतख के बच्चे की नकल करता रहता था।

उसे चिढ़ानेवाला नाम दो।

..... चूड़ा



क्या तुम जानते हो?

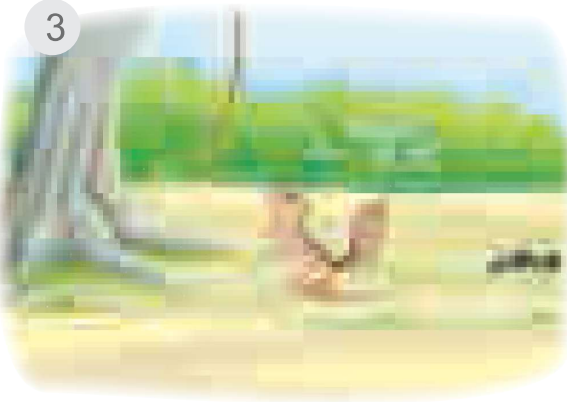
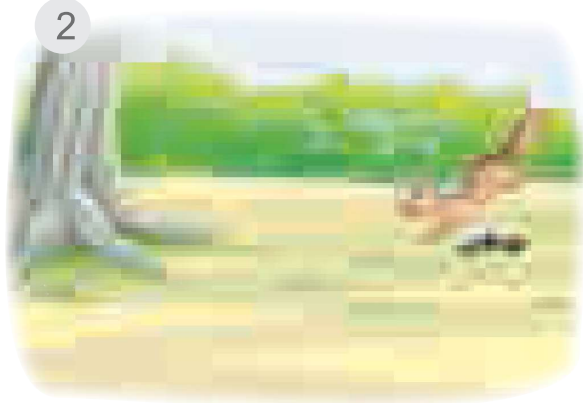
क्या डूबेगा-क्या तैरेगा? करके देखो और (✓) का निशान लगाओ-



डूबेगा

तैरेगा

## बंदर और गिलहरी-चित्रकथा



आगे क्या हुआ होगा?



 कुछ संकेत

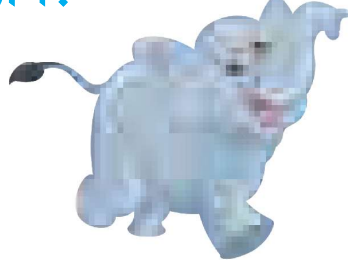
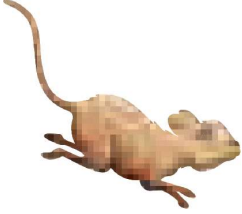
दी गई चित्रकथा एक बंदर और गिलहरी की कहानी है। दिए गए चित्रों को बच्चों को दिखाते हुए उनसे पूछें- बंदर की पूँछ कैसी थी? ज़मीन पर कौन उछल-कूद कर रहा था? गिलहरी किस पर झूला-झूलने लगी? चित्रकथा के माध्यम से आपस में हँस-खेलकर जीवन बिताने का संदेश दें।





## शहद घर

ज़रा बताओ कौन - कौन?



जानवरों में कौन-कौन उछल-कूद करता होगा?

कुत्ता

ऊँट

चूहा

शेर

हाथी

बिल्ली

गिलहरी

भालू

खरगोश

बकरी

उछल-कूद करते हैं

.....  
.....  
.....  
.....

उछल-कूद नहीं करते

.....  
.....  
.....  
.....

आओ गप्पें लगाएँ-



बंदर की पूँछ लंबी थी, इतनी लंबी थी,  
इतनी लंबी जैसे .....

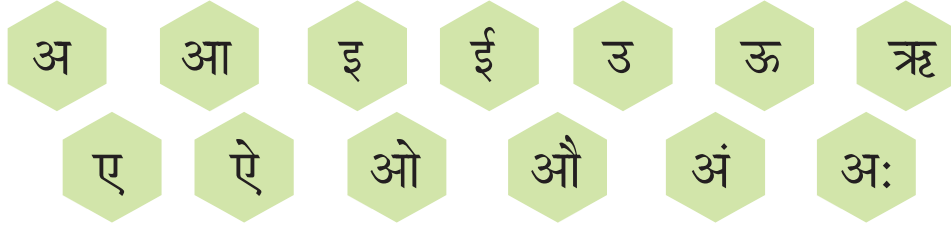


ऊँट इतना ऊँचा था, इतना ऊँचा था,  
ऊँट इतना ऊँचा था जैसे .....



# आओ मिलकर वर्ण दोहराएँ

## प्यारे स्वर



## न्यारे व्यंजन



### कुछ संकेत

जैसा कि पिछली कक्षा में बच्चे स्वर और व्यंजन सीख चुके हैं, उन्हें बार-बार वर्ण दोहराने को कहें। उन्हें बताइए - क्ष, त्र, ज्ञ, संयुक्त वर्ण होते हैं और श्र, ड़, ढ़ अतिरिक्त वर्ण।